BA Part I (H)

Paper

Dr. Chiranjeev Kr Thakur
Assistent Professor (GT)
Department of Sociology
VSJ College Rajnagar

सामाजिक गतिशीलता (Social Mobility) → सा० गतिशीलता सामाजिक परिवर्तन का ही स्वरूप है। सामाजिक गतिशीलता सामाजिक तथ्य है। सामाजिक गतिशीलता का अध्ययन सा० परिवर्तन एवं संस्तरण के रूप में ही समाजशास्त्र के अंतर्गत किया जाता है। सामाजिक परिवर्तन में सामाजिक संरचना, सा० संगठन आदि में परिवर्तन से है जबकि सामाजिक गतिशीलता से तात्पर्य किसी व्यक्ति या समूह की सामाजिक प्रस्थिति या पद में परिवर्तन से है।

बोगार्डस के अनुसार, "सामाजिक पद में कोई भी परिवर्तन सा० गतिशीलता है।

सोरोकिन के अनुसार" सामाजिक गतिशीलता से हमारा तात्पर्य सामाजिक समूहों तथा स्तरों के कुछ से एक सामाजिक पद से दूसरे सामाजिक पद में परिवर्तन होना है।"

फिचर के अनुसार," सामाजिक गतिशीलता व्यक्ति समूह या श्रेणी के एक सामाजिक पद से दूसरे में गति करने को कहते हैं।

फेयरचाइल्ड के अनुसार," लोगों के एक सामाजिक समूह से दूसरे सामाजिक समूह में गमन को ही सामाजिक गतिशीलता कहा जाता है।"

ग्रीन तथा हन्ट के अनुसार, "सामाजिक गतिशीलता का तात्पर्य उच्च या निम्न सामाजिक प्रस्थिति में गमन करना है।"

अतः स्पष्ट है कि सामाजिक गतिशीलता एक व्यक्ति या समूह द्वारा एक पद या स्थान या व्यवसाय त्यागकर दूसरा पद, स्थान या व्यवसाय ग्रहण करते है।

विशेषताएं → सामाजिक गतिशीलता की निम्नलिखित विशेषताएं है—

(1) सामाजिक गतिशीलता का सम्बन्ध व्यक्ति तथा समूह के पद या प्रस्थिति से है।

(2) सामाजिक गतिशीलता में व्यक्ति या समूह की सामाजिक प्रस्थिति में परिवर्तन से है।

(3) एक समूह या समाज के संरचना के अन्तर्गत ही परिवर्तन होता है।

(4) सामाजिक गतिशीलता की कोई निश्चित दिशा नहीं होती; यह उच्च, निम्न एवं समान्तर भी हो सकती है।

सामाजिक गतिशीलता के प्रकार → सामाजिक गतिशीलता मुख्य रूप से दो प्रकार की होती है—

(1) क्षैतिज या समरेखीय सामाजिक गतिशीलता

(2) उदग्र या रेखीय सामाजिक गतिशीलता

(1) क्षैतिज या समरेखीय सामाजिक गतिशीलता (Horizontal Social mobility) → किसी व्यक्ति का किसी समूह के किसी पद से -

उसी पद पर स्थानान्तरण होना क्षैतिज या समरेखीय सामाजिक गतिशीलता कहा जाता है।

फिचर के अनुसार " क्षैतिज सामाजिक गतिशीलता का अर्थ एक ही सामाजिक स्तर के एक ही प्रकार के सामाजिक समूह परिस्थिति से दूसरे में आगे या पीछे गमन करना है।"

सोरोकिन के अनुसार " क्षैतिज सामाजिक गतिशीलता का अर्थ एक व्यक्ति या सामाजिक वस्तु का एक ही स्तर में स्थित एक समूह से दूसरे समूह में स्थानान्तरण है।"

अत: स्पष्ट है कि क्षैतिज सामाजिक गतिशीलता में एक व्यक्ति समान सामाजिक स्तर के समूहों या पदों में गमन करना। उदाहरण के लिए एक प्रोफेसर का किसी दूसरे संस्था में जा करके प्रोफेसर पद पर ही ग्रहण करना। एक श्रमिक का एक फैक्टरी से दूसरे फैक्टरी में काम करना।

<u>क्षैतिज या समरेखीय सामाजिक गतिशीलता के प्रकार</u>

1. प्रजातीय, धार्मिक तथा आयु समूहों में गतिशीलता
2. क्षेत्रीय समूहों में
3. अंत: पारिवारिक एवं अन्त: नातेदारी गतिशीलता
4. अंत: व्यवसायी तथा बाह्य व्यवसायी गतिशीलता
5. अन्त: राज्यीय गतिशीलता
6. अन्त: धार्मिक गतिशीलता
7. अन्तर्दलीय गतिशीलता
8. अन्तर्राष्ट्रीय गतिशीलता

(2) उदग्र या रेखीक गतिशीलता - (Vertical Social Mobility)

जब किसी व्यक्ति या समूह द्वारा एक सामाजिक स्तर से दूसरे सामाजिक स्तर में गमन हो तो उसे उदग्र या रेखीक सामाजिक गतिशीलता कहते हैं।

गल्ड एवं काब के अनुसार, "यदि किसी प्रस्थिति एवं भूमिका में ऐसा परिवर्तन जिसमें सामाजिक वर्ग पद में भी परिवर्तन सम्मिलित हो तो उसे उदग्र या रेखीक सामाजिक गतिशीलता कहते हैं जिसके अर्थ में ऊपर एवं नीचे की ओर गतिशीलता सम्मिलित हो।"

फिचर के अनुसार, " उदग्र गतिशीलता को लोगों का एक सामाजिक प्रस्थिति से दूसरी एवं एक सामाजिक कोटि स्तर में गमन के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

अतः स्पष्ट है कि उदग्र या रेखीक सामाजिक गतिशीलता में व्यक्ति या समूह एक सामाजिक स्तर से दूसरे स्तर में स्थानान्तरित हो जाते हैं। उदाहरण के लिए एक संस्था के प्रोफेसर का दूसरी संस्था में जाकर कुलपति का पद ग्रहण करना।

सोरोकिन ने गतिशीलता के आधार पर उदग्र या रेखीक सामाजिक गतिशीलता को दो उपभागों में बाटा है।

(1) ऊर्ध्वगामी upward or Ascending Social Mobility

(2) अधोगामी Downward or descending Social Mobility